14वाँ मध्य कैरियर पाठ्यक्रम (चरण III)

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC), भारत ने **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून** में **14वें मध्य कैरियर पाठ्यक्रम (चरण III)** के भाग के रूप में **भारतीय वन सेवा (आईएफएस)** अधिकारियों के लिये एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- **आईएफएस अधिकारियों का महत्त्व:**
  - NHRC के अध्यक्ष ने देश की प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। **उन्होंने विकास** आवश्यकताओं **और संरक्षण प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाने** की उनकी जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।
  - **उन्होंने अधिकारियों के लिये वन कानून के ऐतिहासिक संदर्भ, वन प्रबंधन में उभरती चुनौतियों तथा कानून, नीति और प्रवर्तन के बीच संबंधों को समझने** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि वे अपने कर्त्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।
- **वन कानून का ऐतिहासिक विकास:**
  - अध्यक्ष ने **ब्रिटिश काल से लेकर वर्तमान तक वन कानून के ऐतिहासिक विकास पर भी चर्चा की।** विकास और संरक्षण के बीच बदलते संतुलन पर भी प्रकाश डाला गया।
  - वन भूमि अधिग्रहण पर 2013 **के भूमि अधिग्रहण अधिनियम** के प्रभाव की जाँच की गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः वन संरक्षण अधिनियम 2023 **में संशोधन किया गया।**
- **वन संरक्षण पर न्यायिक प्रभाव:**
  - अध्यक्ष ने वन संरक्षण को आकार देने में न्यायालयों की भूमिका पर ज़ोर दिया, उन्होंने वर्ष 1995 के ऐतिहासिक टी. एन. गोदावर्मन मामले का हवाला दिया। इस मामले ने **वन क्षेत्र पर लकड़ी उद्योग के हानिकारक प्रभावों को कम किया।**
  - **मज़बूत कानूनों और प्रभावी प्रवर्तन तंत्रों के महत्त्व** पर प्रकाश डाला गया तथा यह भी कहा गया कि **'निरंतर आदेश'** के माध्यम से न्यायालय की निरंतर भागीदारी, विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने में लगातार आने वाली चुनौतियों को उजागर करती है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

- **के बारे में:**
  - यह व्यक्तियों के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा **से संबंधित** अधिकारों **की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।**
  - भारतीय संविधान और अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाओं द्वारा गारंटीकृत अधिकार, जिन्हें भारतीय न्यायालयों द्वारा लागू किया जा सकता है।
- **स्थापना:**
  - 12 अक्तूबर 1993 को मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 **के तहत स्थापित।**
  - मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 और मानव अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधित।
  - मानव अधिकारों को बढ़ावा देने और संरक्षण देने के लिये अपनाए गए पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप इसकी स्थापना की गई।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी

- **यह भारत के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीन** एक वन सेवा प्रशिक्षण संस्थान है, जिसे मूलतः भारतीय वन महाविद्यालय के रूप में जाना जाता था, **जिसकी स्थापना वर्ष 1938 में** वरिष्ठ वन अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिये की गई थी।
- **यह** वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के न्यू फॉरेस्ट परिसर में स्थित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/14th-mid-career-course-phase-iii